



गणेश अष्टोत्तर शत नामावलि-ॐ गजाननाय नमः



<https://www.chalisa.online>

|| गणेश अष्टोत्तर शत नामावलि ||

- ॐ गजाननाय नमः
 ॐ गणाध्यक्षाय नमः
 ॐ विघ्नाराजाय नमः
 ॐ विनायकाय नमः
 ॐ दत्तेमातुराय नमः
 ॐ द्विमुखाय नमः
 ॐ प्रमुखाय नमः
 ॐ सुमुखाय नमः
 ॐ कृतिने नमः
 ॐ सुप्रदीपाय नमः (10)
 ॐ सुखनिधये नमः
 ॐ सुराध्यक्षाय नमः
 ॐ सुरारिघ्नाय नमः
 ॐ महागणपतये नमः
 ॐ मान्याय नमः
 ॐ महाकालाय नमः
 ॐ महाबलाय नमः
 ॐ हेरम्बाय नमः
 ॐ लम्बजठराय नमः
 ॐ ह्रस्वग्रीवाय नमः (20)
 ॐ महोदराय नमः
 ॐ मदोत्कटाय नमः
 ॐ महावीराय नमः
 ॐ मन्त्रिणे नमः
 ॐ मङ्गल स्वराय नमः
 ॐ प्रमथाय नमः
 ॐ प्रथमाय नमः
 ॐ प्राज्ञाय नमः
 ॐ विघ्नकर्त्रे नमः
 ॐ विघ्नहन्त्रे नमः (30)
 ॐ विश्वनेत्रे नमः
 ॐ विराट्पतये नमः
 ॐ श्रीपतये नमः
 ॐ वाक्पतये नमः
 ॐ शृङ्गारिणे नमः
 ॐ आश्रित वत्सलाय नमः
 ॐ शिवप्रियाय नमः
 ॐ शीघ्रकारिणे नमः
 ॐ शाश्वताय नमः
 ॐ बलाय नमः (40)
 ॐ बलोत्थिताय नमः
 ॐ भवात्मजाय नमः
 ॐ पुराण पुरुषाय नमः
 ॐ पूष्णे नमः
 ॐ पुष्करोत्पिप्त वारिणे नमः
 ॐ अग्रगणाय नमः
 ॐ अग्रपूज्याय नमः
 ॐ अग्रगामिने नमः
 ॐ मन्त्रकृते नमः
 ॐ चामीकर प्रभाय नमः (50)
 ॐ सर्वाय नमः
 ॐ सर्वोपास्याय नमः
 ॐ सर्व कर्त्रे नमः
 ॐ सर्वनेत्रे नमः
 ॐ सर्वसिद्धि प्रदाय नमः
 ॐ सर्व सिद्धये नमः
 ॐ पञ्चहस्ताय नमः
 ॐ पार्वतीनन्दनाय नमः
 ॐ प्रभवे नमः
 ॐ कुमार गुरवे नमः (60)
 ॐ अक्षोभ्याय नमः
 ॐ कुञ्जरासुर भङ्गनाय नमः
 ॐ प्रमोदाय नमः
 ॐ मोदकप्रियाय नमः
 ॐ कान्तिमते नमः
 ॐ धृतिमते नमः
 ॐ कामिने नमः
 ॐ कपित्थवनप्रियाय नमः
 ॐ ब्रह्मचारिणे नमः
 ॐ ब्रह्मरूपिणे नमः (70)
 ॐ ब्रह्मविद्यादि दानभुवे नमः
 ॐ जिष्णवे नमः
 ॐ विष्णुप्रियाय नमः
 ॐ भक्त जीविताय नमः
 ॐ जित मन्मथाय नमः
 ॐ ऐश्वर्य कारणाय नमः
 ॐ ज्यायसे नमः
 ॐ यक्षकिन्नेर सेविताय नमः
 ॐ गङ्गा सुताय नमः
 ॐ गणाधीशाय नमः (80)
 ॐ गम्भीर निनदाय नमः
 ॐ वटवे नमः
 ॐ अभीष्ट वरदायिने नमः
 ॐ ज्योतिषे नमः
 ॐ भक्त निधये नमः
 ॐ भावगम्याय नमः
 ॐ मङ्गल प्रदाय नमः
 ॐ अव्वक्ताय नमः
 ॐ अप्राकृत पराक्रमाय नमः
 ॐ सत्यधर्मिणे नमः (90)
 ॐ सखये नमः
 ॐ सरसाम्बु निधये नमः
 ॐ महेशाय नमः
 ॐ दिव्याङ्गाय नमः
 ॐ मणिकिङ्किणी मेखालाय नमः
 ॐ समस्तदेवता मूर्तये नमः
 ॐ सहिष्णवे नमः
 ॐ सततोत्थिताय नमः
 ॐ विघात कारिणे नमः
 ॐ विश्वगृहेशे नमः (100)
 ॐ विश्वरक्षाकृते नमः
 ॐ कल्याण गुरवे नमः
 ॐ उन्मत्त वेषाय नमः
 ॐ अपराजिते नमः
 ॐ समस्त जगदाधाराय नमः
 ॐ सत्त्वैश्वर्यप्रदाय नमः
 ॐ आक्रान्त चिदचित्प्रभवे नमः
 ॐ श्री विघ्नेश्वराय नमः (108)

|| <https://www.chalisa.online> ||